



या देवी सर्वभूतेषु मां कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

मां दुर्गा के सातवें स्वरूप
वीरता और साहस की प्रतीक

मां कालरात्रि

आपके जीवन में सुख-शांति
एवं समृद्धि प्रदान करे।

= मां कालरात्रि की आरती =

कालरात्रि जय-जय-महाकाली।
काल के मुह से बचाने वाली ॥

सभी देवता सब नर-नारी।
गावें स्तुति सभी तुम्हारी ॥

दुष्ट संघारक नाम तुम्हारा।
महाचंडी तेरा अवतार ॥

रक्तदंता और अन्नपूर्णा।
कृपा करे तो कोई भी दुःख ना ॥

पृथ्वी और आकाश पे सारा।
महाकाली है तेरा पसारा ॥

ना कोई चिंता रहे बीमारी।
ना कोई गम ना संकट भारी ॥

खड्ग खण्ड रखने वाली।
दुष्टों का लहू चखने वाली ॥

उस पर कभी कह ना आवें।
महाकाली माँ जिसे बचावे ॥

कलकत्ता स्थान तुम्हारा।
सब जगह देखूं तेरा नजारा ॥

तू भी भक्त प्रेम से कह।
कालरात्रि माँ तेरी जय ॥



पंकज ड़ावर

विधानसभा : गुरुग्राम